इकाई योजना का अर्थ परिभाषाएं एवं सोपान

इकाई योजना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण व आधुनिक विधि मानी जाती है हेनरी सी मॉरिसन ने 1956 में सर्वप्रथम पाठ योजना तैयार करने के लिए इकाई विधि दी थी जो बाद में शिक्षण विधि के रूप में स्थापित है इसलिए इस विधि के प्रवर्तक एचसी मॉरीसन माने जाते हैं इकाई योजना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण व आधुनिक विधि मानी जाती है । इकाई इकाई विधि में सर्वप्रथम हरबर्ट ने जो योजना प्रस्तुत की उसे हरबर्ट की पंचपदी कहां जाता है। इकाई विधि को यूनिट सिस्टम भी कहते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में सामान्य रूप से इस विधि का प्रयोग 1920 में हुआ है

इस विधि में संपूर्ण पाठ्यक्रम को कुछ खंडों में बैठकर यूनिट बना ली जाती हैं और प्रत्येक यूनिट में उस उससे संबंधित उपलब्धियों का समावेश कर छात्रों को उनका अध्यापन कराया जाता है।

इकाई विधि की परिभाषाए

मॉरीसन के अनुसार
_इकाई वातावरण संगठित विज्ञान कला या आचरण का एक व्यापक एवं महत्वपूर्ण अंग होती है जिसे सीखने के फलस्वरूप व्यक्ति में सामंजस्य आ जाता है।

थॉमस एम रिस्क के अनुसार.
इकाई किसी समस्या या योजना से संबंध जोड़ने वाली क्रियाओं का अध्ययन करती है।

हेनरी हैरत के अनुसार.
इकाई किसी विषय का बड़ा उपविभाग होता है जिसका कोई मूलभूत सिद्धांत या प्रकरण के अनुसार ऐसे ढंग से नियोजित किया जाता है

जिससे कि उन्हें विषय की आवश्यक तत्वों का पूर्ण ज्ञान हो जाए।

डॉक्टर माथुर के अनुसार.
इकाई का अर्थ वास्तव में अनुभव या ज्ञान को एक सूत्र में पिरोना है।

सीवी गुड के अनुसार.
इकाई किसी पाठ्यक्रम पाठ्यवस्तु विषय क्षेत्र प्रयोगात्मक कलाओं तथा विज्ञान का और विशेषकर सामाजिक अध्ययन का प्रमुख उप विभाजन है।

वॉशिंग के अनुसार के अनुसार.
इकाई अर्थ पूर्ण एवं एक दूसरे से संबंधित क्रियाओं की एक व्यापक श्रंखला है जो विकसित होने पर बालकों के उद्देश्यों की पूर्ति करती है और उन्हें महत्वपूर्ण शैक्षिक अनुभव प्रदान करती है जिनके फलस्वरूप उनके व्यवहार में वांछित परिवर्तन होता है।

एनसीईआरटी के अनुसार
इकाई एक निर्देश आत्मक युक्ति है जो छात्रों को समवेत रूप में ज्ञान प्रदान करती है।

इकाई के प्रकार

1. साधनात्मक इकाई

साधनात्मक इकाई किसी बड़े पाठ से संबंधित शैक्षणिक सामग्री साधनात्मक इकाई किसी बड़े पाठ से संबंधित शैक्षणिक सामग्री तथा साधनात्मक इकाई किसी बड़े पाठ से संबंधित शैक्षणिक सामग्री तथा क्रियाओं का संग्रह है साधनात्मक इकाई का निर्माण शिक्षक समूह तथा शिक्षा विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है इसके निर्माण में पाठ्यक्रम निर्माताओं शिक्षा विभाग शिक्षा संस्थाओं तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं की सहायता ली जा सकती है ।

इनका निर्माण छात्रों के किसी एक समूह विशेष के लिए नहीं किया जाता वरन यह तो एक विशेष स्तर के समस्त छात्रों तथा समस्त विद्यालयों के लिए बनाई जाती है निर्माण के उपरांत इस मुद्रित कराया जाता है और बाजार में विक्रय किया जाता है इनमें किसी एक स्तर पर विषय की किसी एक इकाई की शिक्षण की व्यवस्था की विस्तृत रूपरेखा एवं विषय वस्तु दी हुई होती है।

2. अध्यापन आत्मक इकाई

साधन आत्मा के कई छात्रों के किसी विशिष्ट समूह के लिए नहीं बनाई जाती किंतु अध्यापन आत्मक इकाई का निर्माण अध्यापक द्वारा छात्रों के किसी विशिष्ट वर्ग हेतु किया जाता है

इकाई इकाई विधि के सोपान

शिक्षा शास्त्री रिस्क के अनुसार इकाई विधि के तीन मनोवैज्ञानिक सोपान हैं

प्रस्तावना
विकास
पूर्ति

- हरबर्ट स्पेंसर ने इसे 5 भागो में विभक्त किया है। यह 5 भाग दैनिक पाठ योजना के चरण माने जाते हैं।
- मॉरिसन ने इकाई विधि को 7 भागों में विभाजित किया है।
- इकाई का अर्थ एक ज्ञान के समूह से है,

जिसका अध्यापन संबंधित अध्यापक के द्वारा कराया जाता है। यह गेस्टाल्ट वाद से प्रभावित है, जिससे ज्ञान के एकीकृत बिंदुओं पर प्रकाश

डाला गया है।

इकाई विधि के दोष

1. पाठ्यक्रम को नियत अवधि में पूरा करना कठिन कार्य है ।
2. प्रकरण या विषय सामग्री में संबंधित विभिन्न इकाई ठीक से निर्माण नहीं हो पाता या अंत क्रमिक का अनंत रहता है।
3 सभी प्रकार की विषय वस्तु को इकाइयों में विभक्त नहीं पढ़ाया जा सकता है।

Last modified: 16 Apr. 2020

इकाई योजना का महत्व एवं उपयोगिता

इकाई योजना की सीमाएं एवं दोष

इकाई योजना का महत्व

1. इकाई योजना में हिंदी शिक्षा हेतु संपूर्ण सत्र में जितना समय उपलब्ध हो सकता है उसे ध्यान में रखते हुए निर्धारित सिलेबस की विषय सामग्री को इस तरह उचित इकाइयों में विभक्त किया जाता है ताकि सिलेबस के शिक्षण अधिगम को उपलब्ध समय में ठीक तरह पूरा किया जा सके शिक्षकों को इस तरह अपना उत्तरदायित्व निभाने की इकाई योजना में बहुत सहायता मिलती है।
2. इकाई योजना के तहत निर्मित सभी पाठक इकाइयां अपने आप में काफी पूर्ण तथा सार्थक होती हैं सिलेबस से संबंधित सभी प्रकार की पाठ्य वस्तु तथा अधिगम अनुभवों को इस तरह की पाठ इकाइयों में बैठकर शिक्षण प्रदान करना विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक तथा मनोवैज्ञानिक दोनों ही दृष्टि से बहुत ही लाभकारी सिद्ध होता है।
3. इकाई योजना में इकाई शिक्षण के उद्देश्यों को भलीभांति निश्चित करके व्यवहार जन्म शब्दावली से अभिव्यक्त करने पर पूरा जोर दिया जाता है इससे विद्यार्थी और अध्यापक दोनों को ही अपने उत्तरदायित्व एवं लक्ष्यों का पूरी तरह स्पष्ट ज्ञान हो जाता है और परिणामस्वरूप इकाई के शिक्षण एवं अधिगम दोनों ही प्रकार के कार्यों में अभीष्ट सफलता की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं।
4. इकाई योजना में विभिन्न रूप इकाइयों में शिक्षण अधिगम हेतु विधियों , तकनीको विवो रचनाओं तथा शिक्षण सहायक सामग्री आदि के बारे में पहले ही अच्छी तरह सोच-विचार लिया जाता है। अध्यापक को इन सभी का पूर्ण ज्ञान हो जाने से इनका समुचित उपयोग कर शिक्षण अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति में बहुत सहायता मिलती है।
5. इकाई योजना से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को ठीक प्रकार व्यवस्थित

एवं संगठित करने में बहुत सहायता मिलती है एक इकाई तथा उसकी उप कार्यों में ने इस विषय सामग्री के शिक्षण अधिगम हेतु अध्यापक द्वारा किस प्रकार के कार्य तथा क्रियाकलापों का संपादन किया जाता है इस बात का उसे पूरा ज्ञान रहता है और यही ज्ञान उसे एक अध्यापक के नाते अपने सभी उत्तर दायित्व के निर्वाह हेतु मानसिक तथा व्यवहारिक रूप से पूरी तरह तैयार रखने में मदद करता है।

6. पढ़ाई जाने वाली विषय वस्तु का उचित एवं सार्थक के कार्यों एवं उप गायों में विभाजन तथा उसके शिक्षण अधिगम हेतु सभी आवश्यक क्रियाओं एवं संसाधनों का पूर्ण नियोजन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रोचक प्रभावपूर्ण और संयुक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ता परिणाम स्वरूप कक्षा में अनुशासनहीनता की समस्या से अध्यापक को जूझना नहीं पड़ता

7. इकाई योजना में निर्धारित शिक्षण अधिगम उद्देश्यों के परिपेक्ष में एक उपयुक्त इकाई परीक्षण के निर्माण का प्रावधान रहता है इस परीक्षण की सहायता से इकाई के शिक्षण अधिगम परिणामों का मूल्यांकन करने में उचित सहायता मिलती है और इस तरह जो कुछ शिक्षण अधिगम होता है इकाई योजना में निर्धारित शिक्षण अधिगम उद्देश्यों के परिपेक्ष में एक उपयुक्त इकाई परीक्षण के निर्माण का प्रावधान रहता है इस परीक्षण की सहायता से इकाई के शिक्षण अधिगम परिणामों का मूल्यांकन करने में उचित सहायता मिलती है और इस तरह जो कुछ शिक्षण अधिगम होता है करते रहने में इकाई योजना काफी लाभप्रद सिद्ध हो सकती है।

8. इकाई योजना में विद्यार्थियों की अधिगम कठिनाइयों कमजोरियों तथा क्षमताओं के निदान का तथा उसके निवारण हेतु उपचारात्मक शिक्षण के नियोजन का यथेष्ट प्रावधान रहता है।

9. इकाई योजना इकाई तथा उप इकाइयों में महत्व विषय वस्तु तथा अधिगम अनुभवों के समुचित अर्जन हेतु पुनरावृति समीक्षा तथा अभ्यास कार्य के यथेष्ट अवसर प्रदान करती है।

10. इकाई योजना से उपयुक्त एवं उपयोगी दैनिक पाठ योजनाओं के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है इकाई योजना द्वारा जो भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है तथा दिन-प्रतिदिन कि पीरियड ओं में पढ़ाए जाने

के लिए उपायों के रूप में जो सार्थक एवं उपयुक्त विषय सामग्री उसके उद्देश्य शिक्षण विधियों तथा सहायक सामग्री एवं मूल्यांकन के साथ प्रस्तुत की जाती है उससे एक तरह से शिक्षण को ऐसा ब्लूप्रिंट मिल जाता है जिसके आधार पर वह अपनी दैनिक पाठ योजनाओं का भली-भांति नियोजन कर सकता है।

इकाई योजना की सीमाएं एवं दोष

इकाई योजना को प्रायः उसके निम्न दोषों एवं सीमाओं की वजह से आलोचना का शिकार बनना पड़ता है।

1. सिलेबस की पाठ्यवस्तु को अपने आप में पूर्ण कथा सार्थक इकाइयों तथा उप इकाइयों में बांटने का कार्य सरल नहीं है इस तरह का विभक्ति कारण अगर ठीक तरह से नहीं किया जाता तो फिर परिणाम उल्टे ही निकलते हैं और शिक्षक तथा विद्यार्थी दोनों को ही शिक्षण तथा अधिगम में परेशानी होती है।
2. इकाई योजना शिक्षकों की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश लगाने वाली सिद्ध होती है क्योंकि यहां उन्हें अपने शिक्षण को पहले से ही निश्चित तथा योजनाबद्ध दायरे में से ही गुजरना पड़ता है इकाई विशेष के लिए निर्धारित शिक्षण उद्देश्यों शिक्षण विधियों तथा शिक्षण सामग्री और यहां तक कि मूल्यांकन की प्रक्रिया भी पहले से ही उनके लिए निश्चित रहती है शिक्षण को पहले से ही निश्चित तथा योजनाबद्ध दायरे में से ही गुजरना पड़ता है इकाई विशेष के लिए निर्धारित शिक्षण उद्देश्यों शिक्षण विधियों तथा शिक्षण सामग्री और यहां तक कि मूल्यांकन की प्रक्रिया भी पहले से ही उनके लिए निश्चित रहती है इस पिक्चर में किसी प्रकार की रचनात्मकता तथा सृजनात्मकता को प्रदर्शित करने का कोई भी मौका इकाई योजना पर आधारित शिक्षण अधिगम में नहीं मिलता और फल स्वरुप जहां नियोजित इकाई से कुछ हटकर शिक्षण अधिगम परिस्थितियां मिल जाएं तो उन्हें फिर शिक्षण कार्य संपादित करने में कठिनाई से गुजरना पड़ता है।
3. इकाई योजना की अनुपालन मैं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया बहुत अधिक

समय बंद हो जाती है ।
4. इकाई योजना का अनुपालन करते हुए शिक्षक उसका अक्षर था अनुपालन करने की चेष्टा में ही रथ दिखाई देता है इस तरह नियोजित पति अपने आप में उनकी अपनी मंजिल बन जाती है वे यह भूल जाते हैं कि नियोजन अपने आप में साध्य नहीं होता बल्कि साथी की प्राप्ति की राह होती है असली बात तो निर्धारित शिक्षण अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति होती है भले ही उसके लिए पूर्व नियोजन की सीमाओं को कितना भी लांग ना पड़े
5. इकाई योजना यह मांग करती है कि उसमें जो पूर्व नियोजित है उसकी अनुपालना की जाए बाद भी ठीक से प्रतीत होती है क्योंकि नियोजन होता है इसलिए है परंतु यही बात आगे चलकर शिक्षण अधिगम को विद्यार्थी केंद्रित व रहने दे रहने दे कर आवश्यकता से अधिक योजना केंद्रित बना डालती है इस तरह से विद्यार्थियों की रुचि ओं आवश्यकताओं योग्यताओं तथा क्षमताओं की अनावश्यक रूप से अवहेलना होते रहना इकाई योजना पर आधारित शिक्षा अधिगम की नियति बन जाती है और इससे फिर बालकों के स्वाभाविक विकास तथा उनकी रचनात्मकता तथा सृजनात्मकता के पोषण में बाधा पहुंचती है।
6. इकाई योजना के निर्माण का कार्य अध्यापक से काफी कठिन परिश्रम और समय की मांग करता है।

– श्रीमती रेखा श्रीवास्तव
बी.एड. विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर